

हे गौरा महारानी- तुम्हारी महिमा कोई ने-ने जानी  
हे अम्बे महारानी- तुम्हारी महिमा कोई ने-ने जानी

चले तीनई मिल- तुमको मनाने  
ने आवे के करे थे बहाने  
तुमखों- मनायें औगड़दानी

तुम्हारी महिमा--

रूप सलौनो- ले खें आई मैया  
पार लगा दो- ~~मौ~~ सबकी नैया  
बोलें- ममता भरी बानी

तुम्हारी महिमा--

माथे चंदा- मुकुट सिर सोहे  
सुरनर- मुनि के- मन को मोहे  
कीरयो दया कल्याणी

तुम्हारी महिमा--

राजा हिमांचल की- बेटी कहाई  
सब लोकों में- खुशियाँ द्वाई  
उब न बनो- अंजानी

तुम्हारी महिमा---



बने दूल्हा भोला-दुवि ऐसी आई  
देख दुवि-हँसी विष्णु खों आई  
भई-सबखों हैरानी

तुम्हारी महिमा---

बिच्छू-बरे तलैयाँ पहिने  
नाग गले में-सुन्दर गेहने  
सब कोई-देख डरानी

तुम्हारी महिमा---

भूत-प्रेत-बैताल बराती  
बने अपंग-सब इनके साथी  
बन गई-जग में कहानी

तुम्हारी महिमा---

मात पिता और रौबें-सब सखियाँ  
रो-रो के गौरा सें-कहें सब बातियाँ  
काहे-करी नादानी

तुम्हारी महिमा

सुनो गौरी शंकर-की-महिमा निराली  
पहुँचे शरण में जो-आये न खाली  
दास "श्री बाबा श्री" अज्ञानी

तुम्हारी महिमा---